



13

Ø; &foØ;

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने होलिका पर्व, उसके मनाये जाने का कारण तथा महत्त्व के विषय में पढ़ा। इस पाठ में आप क्रय–विक्रय के बारे में पढ़ेंगे। रोजमर्रा के जीवन में आप अनेक चीजे क्रय तथा विक्रय करते हैं। आप देखते हैं कि आपको माता–पिता या परिवार, दोस्तों में से कोई कुछ न कुछ खरीदता है या बेचता भी है। इस पाठ में आप संस्कृत के वाक्यों का प्रयोग करते हुए वार्तालाप के माध्यम से क्रय–विक्रय के विषय में पढ़ेंगे।



mİs ;

यह पाठ पढ़ने के बाद आप सक्षम होंगे:

- क्रय–विक्रय के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाने में; और
- संस्कृत के नवीन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर पाने में।



fVli .kh

13.1 eyi kB

jeŝk% egŝk Roa vki .ka xfe"; fl fde~\

महेश! क्या आप बाजार चलोगे ?



egŝk% vkeA ; fn iz kstue~vflrA vga xfe"; kfeA

हाँ, यदि कोई काम रहा तो मैं चलूँगा।

jeŝk% xŭr0; eA vflr iz kstuafoyeEcaek dq A

चलिये। मेरा कुछ काम है, देर मत करना।

egŝk fda iz kstueA dkfu oLrfu Ør0; kfu\

क्या काम है? क्या चीजे खरीदनी है ?

Ø; &foØ;

jeŝk% i Fkea rqn/ke- vkuŝ; eA

पहले तो मुझे दुध लाना है।



egŝk% fd; Uek=e\

कितनी मात्रा में ?

jeŝk% ,dfyVjek=eA rno i ;k\raHkfo"; frA

केवल एक लिटर। इतना काफी होगा।



d{k & v



fVli .kh



egs{k% fd; rk eW; u yHKL; r\

कितने मूल्य में मिलेगा ?

jes{k% i 'pf=dkr: l; dkf.k eW; aHkfo"; frA

35 रुपये प्रति लीटर का भाव है ।

egs{k% vLrj vU; r~fdefi vkuR; e\

ठीक है। कुछ और भी लाना है।

jes{k% i qrdj l ekpkj i=a dxhi =kkf.k bR; kfnfu oLrfu vkuR; kfuA

किताबें, समाचार पत्र, कुछ कागज पत्र आदि भी है ।



egs{k% vi s{kra /kua nnkrq HkokuA

इसके लिए आप आवश्यक धन दीजिए ।

jeŝk% xg.kā bekfu i pk'kr: l; dkf.kā

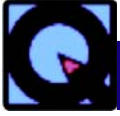
ये पचास रूपये लिजिए।



fVli .kh

egŝk% vLrġ I Roja fuofrZ ; A

ठीक है जल्दी चलिये।



i kBxr izu& 13-1

1. नीचे दिये गये रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

- क. त्वम् आपणं किम्?
- ख. कानि आनेतव्यानि?
- ग. प्रथमं तु दुग्धं वर्तते।
- घ. कियता लाभस्यते।
- ङ. अन्यत् किम् अपि।
- च. धनं ददातु भवान्।
- छ. सत्वरं?



fVli .kh



vki us D; k I h[kk\

- बाजार में क्रय–विक्रय से संबंधित गतिविधियां
- संस्कृत में नये शब्दों का ज्ञान और वाक्यों का प्रयोग



i kBtr izu

1. निम्नलिखित पदों का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण कीजिए—
 1. आपणम्, गमिष्यसि, विलम्बम्, वस्तूनि, कियता, आनेतव्यम् आदि ।
 2. क्रय–विक्रय से संबंधित किसी एक गतिविधि को स्वयं के शब्दों में संस्कृत में लिखिए ।
2. नीचे दिये गये चित्रों को देखकर संस्कृत में एक–एक वाक्यों का निर्माण कीजिए—



(i)



(ii)



mÙkj ekyk

13.1

- क. गमिष्यसि
- ख. वस्तूनि
- ग. आनेतव्यम्
- घ. मूल्येन
- ङ. आनेतव्यम्
- च. अपेक्षितम्
- छ. निवर्तिष्ये

d{k & v



fVli .kh